बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी – २० जून, २००४)

(समय : सुबह ९:०० से १०:३०)	सत्संग प्रवेश - १	कुल प्राप्तांक : ७५

नोंध : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : नीलकंठ चरित्र - प्रथम आवृत्ति, जुलै २०००

प्रश्न.१. निम्न अवतरण कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए। **(६ गुण)**

१. ''चलो हम सरोवर पर चलें । घुमेंगे, आनंद करेंगे ।'' ४४
२. ''यहाँ अचानक क्यों आये ?'' १०१
३. ''ये मूलजी ही हमारे अक्षरधाम हैं ।'' १११

प्रश्न.२. निम्न विधानों के बारे में कारण दीजिए । (२ से ३ पंक्ति में ।) **(६ गुण)**

१. नीलकंठवर्णी ने लखुबाई को अक्षरधाम दिया । ८१
२. नीलकंठवर्णी ने लोज में रहना पसंद किया । ८९
३. बीजल कोली नीलकंठवर्णी के पैर में गिर गया । ७०

प्रश्न.३. निम्न में से किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखो । (वर्णनात्मक) **(५ गुण)**

१. राजा रणजीतसिंह को उपदेश । १४
२. मारने का क्या अधिकार । ७२
३. महंताई के प्रलोभन का त्याग । १०

प्रश्न.४. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **(५ गुण)**

१. नरसिंह मेहता को गिरनार में कौन-सी आकाशवाणी सुनाई दी ? ८४
२. साधुओं के महंत ने सत्रधर्मा राजा से क्या कहा ? ५१
३. नीलकंठ को सूरत में कितने उपवास हुए ? ६६
४. रामानुजाचार्य की व्यासपीठ कहाँ है ? ६४
५. नीलकंठ ने क्या सिद्ध करने के लिए तपश्चर्या की ? २५

प्रश्न.५. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखो । **(६ गुण)**

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जायेंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. नीलकंठ वंशीपुर में १७-१८
   (अ) राजा, रानी और कन्याएँ नित्य सेवा करके नीलकंठ को प्रसन्न करने लगीं ।
   (ब) अपने चरित्रों की बातें करते थे ।
   (क) कैलास के दर्शन करके लौट आए ।
   (ड) नीलकंठ के दर्शन करती हुई रानी समाधिस्थ हो गई ।
२. पिबैक द्वारा किए गए धुएँ के गोलें में से क्या निकला ? ३६
   (अ) कालीय (ब) कालभैरव (क) कौशिक (ड) बटुकवीर
३. नीलकंठ द्वारा तपस्वीओं को किए गए प्रश्न । ८
   (अ) प्रगट प्रभु के बिना मोक्ष की प्राप्ति कैसे करोगे ? (ब) आप यहाँ वन में क्यों आए हैं ?
   (क) प्रगट प्रभु कैसे मिलेंगे ? (ड) प्रगट प्रभु मिलेंगे ?

प्रश्न.६. निम्न विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(४ गुण)**

१. सत्संग में रहना हो तो ..... पकडकर रहना पडेगा । ९३
२. नवलखा पर्वत में ..... योगी रहते थे । ३८

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक २० जून, २००४. परीक्षा - सत्संग प्रवेश - १. माध्यम - हिन्दी. समय - सुबह ९:०० से १०:३०)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है।

४०१

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दी वह दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा दी तब का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : | | | | | | |

परीक्षा स्थल का नाम : केंद्र नंबर : | | | | |

परीक्षार्थी की सही : केंद्र का नाम :

नोंध : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सब विगतों को भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

३. शालिग्राम ..... कठारी जल पी गए । ६३

४. बदरिनाथ में ..... राजा नीलकंठ के दर्शन से प्रभावित हुए । १५

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-१ - प्रथम आवृत्ति, जून १९९७

प्रश्न.७. निम्न अवतरण कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए। **(६ गुण)**

१. ''में जीवनभर इस देह से प्रभु की उपासना, आराधना करना चाहती हूँ ।'' ४४

२. ''ऐसा अवसर भला कैसे टाला जा सकता है ? '' ६३

३. ''धाम में आने की जल्दबाजी नहीं करना ।'' १०

प्रश्न.८. निम्न विधानों के बारे में कारण दीजिए ।(दो से तीन पंक्ति में ।) **(४ गुण)**

१. शास्त्रीजी महाराज कमरे में आकर बैठ गए । ५३

२. शुकमुनि को हमेशा रात को बुखार आता था । २४

प्रश्न.९. नीचे दिए हुए वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्य को ढूँढकर सिर्फ़ उसके नंबर लिखे । **(५ गुण)**

प्रसंग :- ब्रह्मानंद स्वामी की साहित्य सेवा । १

१. छंद छप्पय पर उनका पूरा अधिकार था । **२.** मेरा शरीर स्थूल है, इतना टाट कम पडेगा । **३.** धाम में आने की जल्दबाजी नहीं करना । **४.** आज तो इन रचनाओं के जानकार बहुत कम हैं । **५.** अपनी कवित्व शक्ति के द्वारा गुजराती साहित्य को समृद्ध किया है । **६.** महाराज ने दर्शन देकर पत्थर की खान बतलाई । **७.** गुजराती के अलावा दूसरी भाषाओं में भी उनकी पद्य रचनाएँ हैं । **८.** देवानंद स्वामी और दूसरे कुछ संत उनकी सेवा में अखंड लगे ही थे । **९.** महाराज के स्वरूप के करीब आठ हज़ार कीर्तन उन्होंने बनाए हैं । **१०.** महाराज की सर्वोपरिता के प्रचार और प्रसार का काम पूरा करना । **११.** महाराज की आज्ञा के अनुसार मूली में मंदिर बनवाने की पहल की थी ।

प्रश्न.१०. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **(४ गुण)**

१. जोबनपगी की धाक कहाँ जमी हुई थी ? ३५

२. महाराज ने झीणाभाई को क्या सिखलाया ? १८

३. बीमार देवानंद स्वामी की सेवा किसने की ? १७

४. जूनागढ में जेठाभाई ने किसके साथ कब तक गोष्ठि की ? ४९

प्रश्न.११. निम्न में से किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के उपर १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए ।(वर्णनात्मक) **(५ गुण)**

१. महाराज के द्वारा निर्गुणदास स्वामी को दिया गया अमृत-औषध । ५४

२. अहमदाबाद और वडताल में मन्दिर के निर्माण में ब्रह्मानंद स्वामी की सेवा । ७

३. झीणाभाई की हरिभक्त के साथ आत्मीयता । २७

प्रश्न.१२. नीचे दिए गए वाक्य सही है या गलत, यह लिखकर, गलत वाक्य को सुधारकर लिखिए । **(४ गुण)**

१. आशाभाई प्रत्येक पूर्णिमा के दिन द्वारका जाते थे । ५९

२. देवानंद स्वामी धाम में गए तब हलवाई हरिभक्त के घरकी देहली के पास कुमकुम के चरणचिह्न थे । १८

३. खैया की दादी ने कहा : ''उपर बैठा हुआ मोटा साधु भी ब्रह्म है ।'' ७

४. महाराज खोडियार माता के मंदिर गए । ४०

विभाग-३ : निबंध

प्रश्न.१३. निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए। **(१५ गुण)**

१. BAPS संचालित गौशाला की विक्रमसर्जक सिद्धियाँ ।

२. दत्तक गाँवों की पुन:वसवाट योजना ।

३. जीवन में पूजा और प्रार्थना का महत्त्व ।

नोंध : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न और एक निबंध दिनांक १८ जुलाई, २००४ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं।